घायल मोर जिंदा है या मर गई, 2 माह बाद भी अनसुलझी गुत्थी

विभागीय स्तर पर मामले को रफादफा करने की रच दी गई साजिश

नवभारत न्यूज
भिंड, 15 मई। अटेर क्षेत्र के ग्राम किशूपुरा में पिछले महीनों घायलावस्था में मिली मोर जिंदा है या मर गई, इसकी गुत्थी दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी नहीं सुलझ पा रही है। हालांकि डीएफओ द्वारा मामले की जांच कराए जाने की बात कही जा रही है लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अटेर फॉरेस्ट रैंज कार्यालय द्वारा मामले को रफादफा किए जाने का तानाबाना बुन लिया गया है।

बता दें घटना 7 मार्च की है, किशूपुरा में मोर घायलावस्था में मिलने की सूचना डायल-112 को मिली थी, तब इसके चालक शिव सिंह बघेल और आरक्षक अल्केश यादव द्वारा मोर को सुरपुरा थाना पहुंचाया गया था। थाना से फॉरेस्ट बीटगार्ड को सूचित किए जाने पर ग्राम कोषण बीट इंचार्ज अवनीश शर्मा व मुन्ना सिंह भदौरिया ने मोर को सुपुर्दगी में लिया था। इनके द्वारा थाने से मोर को बोरी में डालकर ले जाने का वीडियो वायरल हुआ था। बोरी में मोर का सिर नीचे और पंख ऊपर नजर आ रहे थे, संदेह तभी से उत्पन्न होने लगा था कि मोर जिंदा है या मर गई। हालाांकि 8 मार्च को घायल मोर के स्वस्थ होने पर उसे जंगल छोड़े जाने का वीडियो भी संबंधित कर्मचारियों द्वारा अटेर फॉरेस्ट रैंज कार्यालय में उपलब्ध कराया गया है। लेकिन यहां भेजे गए जवाब को लेकर न केवल संशय की स्थिति बन गई है बल्कि कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा मामले को रफादफा किए जाने की साजिश नजर आ रही है।

साजिश नंबर- एक: प्रतिवेदन गायब, फाइल में दूसरा:
बीट इंचार्ज अवनीश शर्मा द्वारा11 मार्च को अटेर के वनपरिक्षेत्राधिकारी को उनके पत्र क्रमांक 193 दिनांक 9 मार्च 2026 के संदर्भ में तैयार किया गया प्रतिवेदन गायब हो गया है। इसमें उल्लेख किया है कि वह 7 मार्च को घायल मोर को लेकर फूफ पशु चिकित्सालय पहुंचे, जहां डॉक्टर से परीक्षण कराया, तब डॉक्टर ने बताया कि हमले के कारण मोर सहमा है, इसे निगरानी में खुले में रखने की जरूरत है। इसके दूसरे रोज मोर घूमने फिरने लगी, दाना- पानी चुगने लगी और घूमते- फिरते उड़ गई। जिसका वीडियो भी बनाया गया। यह कागज अटेर फॉरेस्ट रैंजर कृतिका शुक्ला की फाइल में नहीं है।

इसमें दूसरा ही कागज लगा है जिसमें प्राइवेट तौर पर मोर का परीक्षण कराने का उल्लेख है। इसमें दवाओं का एक पर्चा भी लगा है लेकिन उस पर किसी डॉक्टर के दस्तखत तक नहीं है।

घायल मोर जिंदा है या मर गई, पता नहीं, रेंजर और गार्ड में ठनी

अटेर फॉरेस्ट रेंजर ने भिंड में पदस्थ फॉरेस्ट गार्ड को जारी किया नोटिस

नवभारत न्यूज
भिंड, 3 मई। अटेर फॉरेस्ट रेंज के ग्राम किशूपुरा में बीते माह घायलावस्था में मिली एक मोर जिंदा है या मर गई, इसका खुलासा तो नहीं हो पा रहा है लेकिन अटेर फॉरेस्ट रेंजर और भिंड के भारौली में पदस्थ फॉरेस्ट गार्ड के बीच न केवल तनातनी की स्थिति निर्मित हो गई है बल्कि रेंजर द्वारा गार्ड को नोटिस जारी कर समक्ष में उपस्थित होकर जवाब मांगा गया है। लेकिन अब तक गार्ड द्वारा अब तक नोटिस का जवाब नहीं दिया गया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार 7 मार्च को ग्राम किशूपुरा में एक मोर घायलावस्था में मिलने की सूचना डायल 112 पर मिली थी। इसके बाद मोर को घायलावस्था में बरामद कर सुरपुरा थाना पहुंचा दिया गया था। पुलिस द्वारा इसकी सूचना फॉरेस्ट बीट गॉर्ड को दी गई थी तब कोषण बीट इंचार्ज अवनीश शर्मा एक अन्य कर्मचारी मुन्ना सिंह भदौरिया के साथ थाना पहुंचे और मोर सुपुर्दगी में ले लिया। इसके बाद मोर को एक बोरी में बंद कर ले जाने का फोटो व वीडियो सामने आया। जिसमें बोरी में मोर के पंख ऊपर की ओर व सिर नीचे की ओर है। उस वक्त मोर जिंदा था तो बोरी में इस प्रकार से ले जाने का औचित्य समझ से परे है। हालांकि अटेर फॉरेस्ट रेंजर कृतिका शुक्ला का कहना है कि मोर घायलावस्था में मिला था, जिसका इलाज भी कराया गया था, इसके जब वह स्वस्थ हो गया तो उसे बीट गार्ड द्वारा जंगल में छोड़ दिया गया। लेकिन मोर का इलाज कहां कराया गया और उसके छोड़े जाने का कोई भी वीडियो व फोटो उनके द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया है। जबकि इस प्रकार के मामलों में इलाज का रिकार्ड और छोड़े जाने का वीडियो व फोटो कराया जाना नितांत जरूरी था।

फॉरेस्ट रेंजर और फॉरेस्ट गार्ड में इसलिए ठन गई

भिंड रेंज के भारौली बीट में पदस्थ फॉरेस्ट गार्ड ज्योति तोमर को किसी से जानकारी मिली कि एक मोर घायलावस्था में किशूपुरा में मिली है। इसकी जानकारी उनके द्वारा सुरपुरा पुलिस थाना से ली गई। यह बात अटेर फॉरेस्ट रेंजर कृतिका शुक्ला को अखर गई। इसी को लेकर उनके द्वारा फॉरेस्ट गॉर्ड को नोटिस थमा दिया गया है। इसमें कहा गया है कि आपके द्वारा 28 मार्च को सुरपुरा थाना में फॉरेस्ट रेंजर का नाम लेकर कॉल किया गया और घायल मोर के संदर्भ में जानकारी मांगी गई तथा मीडिया को भी फोटो व वीडियो अवैध तरीके से उपलब्ध कराए गए। यह कार्य बिना वरिष्ठ अधिकारी की अनुमति के किया गया है।

गार्ड बोली- राष्ट्रीय पक्षी के घायल होने की सूचना पर ली थी जानकारी:

फॉरेस्ट गार्ड ज्योति तोमर का कहना है कि घायल मोर के संबंध में आमजनसे जानकारी मिली थी चूंकि मामला वन विभाग से संबंधित था इसलिए मेरे द्वारा डायल 112 सुरपुरा के ड्रायवर से उक्त संबंध में जानकारी ली गई थी। विभाग के बारे में जानकारी प्राप्त कर समर्पण रखना कर्तव्य निष्ठ अधिकारी-कर्मचारी का दायित्व होता है। मैंने उसी का निर्वहन किया है। मेरे द्वारा न तो घायल मोर के फोटो को मीडिया पर वायरल किया गया तथा न ही किसी मीडिया के प्रतिनिधि को दिया गया।

फॉरेस्ट गार्ड का कृत्य आचरण संहिता के विपरीत और दंडनीय है

अटेर फॉरेस्ट रेंजर कृतिका शुक्ला का कहना है कि जिले की दूसरी रेंज में पदस्थ फॉरेस्ट गॉर्ड ज्योति तोमर का कृत्य दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है अतः इस संदर्भ में 28 अप्रैल को उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया गया था।

इसके बाद भी उपस्थिति न होने पर पुनः सूचित किया गया कि 30 अप्रैल को उपस्थित होकर जवाब दें लेकिन अब तक फॉरेस्ट गॉर्ड द्वारा न उपस्थिति दर्ज कराई गई है और न ही नोटिस का जवाब ही दिया गया है। उनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए लिखा पढ़ी की जा रही है।

बीटगार्ड का कथन चिकित्सालय में कराया परीक्षण

डॉक्टर बोले- कोई मोर इलाज के लिए नहीं लाया

मामला 7 मार्च को अटेर क्षेत्र के किशूपुरा में मिले घायल मोर का

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 10 मई। अटेर फॉरेस्ट रेंज के ग्राम किशूपुरा में बीते माह घायलावस्था में मिली एक मोर जिंदा है या मर गई, इसकी गुत्थी सुलझने के बजाए और उलझती जा रही है। इस मामले में न केवल वन विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही सामने आ रही है बल्कि अधिकारियों द्वारा भी कोई संतोषप्रद कार्रवाई नहीं की जा रही है। अब तो बीटगार्ड और डॉक्टर के विरोधाभाषी कथन भी सामने आ गए हैं। ऐसे में लगता है कि वन महकमे का समूचा अमला लापरवाहीपूर्ण इस कृत्य को लेकर कतई गंभीर नहीं है।

बता दें 7 मार्च को ग्राम किशूपुरा में एक मोर घायलावस्था में मिलने की सूचना डायल-112 पर मिली थी। तब 112 के चालक शिव सिंह बघेल और आरक्षक अल्केश यादव ने उसे सुरपुरा थाना पहुंचा दिया था। थाना से फॉरेस्ट बीटगार्ड को सूचना दिए जाने

नीचे चोट थी और खून भी बह रहा था।

गंभीर रूप से घायल मोर के गर्दन के नीचे बह रहा था खून

डायल- 112 पर पाइंट मिला था कि किशूपुरा में मोर घायल हुई है। तब घायल मोर को लेकर सुरपुरा थाना पहुंचे थे, वहीं से वन विभाग के अमले को इसकी सूचना

साजिश नंबर- दो : रैंजर बोली, सील तो कोई भी लगा ले जाए :

बीट इंजार्च द्वारा तैयार किया गया प्रतिवेदन तो गायब हो ही गया है लेकिन वह सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिससे साजिश की आशंका उत्पन्न हो गई। मोर के संदर्भ में डायल- 112 चालक शिव सिंह बघेल के अनुसार मोर न केवल सहमा हुआ था बल्कि उसके गर्दन के नीचे चोट थी और खून भी बह रहा था। अब सवाल यह उठता है कि 24 घंटे से कम समय में मोर पूरी तरह से कैसे स्वस्थ हो गया और उड़ने की स्थिति में भी गया। फाइल से 11 मार्च का बीट इंचार्ज का प्रतिवेदन न केवल गायब हो गया बल्कि इसके स्थान पर 9 मार्च का एक प्रतिवेदन सममिट कर दिया गया है। जिसमें न तो डॉक्टर का उल्लेख है और न ही किसी चिकित्सालय का। सवाल यह उठ रहा है कि बीट इंचार्ज द्वारा तैयार किया गया प्रतिवेदन कहां चला गया। इस बारे में रैंजर शुक्ला का कहना है कि कार्यालय में सील तो टेबल पर पड़ी रहती है उसे कोई भी लगा ले जा सकता है। यह बात जिम्मेदारी अधिकारी को लेकर भी संशय उत्पन्न करती है।

एसडीओ से कराई जा रही जांच

किशूपुरा गांव में मिली मोर को लेकर न केवल संशय की स्थिति बन गई है बल्कि कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मामले की जांच विभाग के एसडीओ से कराई जा रही है। जांच में अगर किसी की लापरवाही सामने आती है तो अधिकारी हो या कर्मचारी उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बीआर सिरसाम, डीएफओ

संत कालीदास महाराज ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हालचाल

ग्वालियर-भिंड हाईवे सिक्स लेन निर्माण में देरी पर सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

नवभारत न्यूज
भिंड, 15 मई। ग्वालियर-भिंड हाईवे सिक्स लेन निर्माण की मांग को लेकर चलाए जा रहे अभियान के प्रमुख एवं अखिल भारतीय संत समिति जिला अध्यक्ष संत कालीदास महाराज ने भूतपूर्व सैनिकों एवं समाजसेवियों के साथ जिला चिकित्सालय पहुंचकर सड़क हादसे में घायल लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

घायलों के बेहतर इलाज का लिया भरोसा:
जिला चिकित्सालय में मौजूद सिविल सर्जन डॉ. आर.एन. राजौरिया ने संत कालीदास महाराज को आश्वस्त किया कि सभी घायलों का उपचार पूरी गंभीरता और प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। संत कालीदास महाराज ने घायलों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

हाईवे निर्माण में देरी पर सरकार को घेरा: अखिल भारतीय संत समिति की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में संत कालीदास महाराज ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि ग्वालियर-भिंड हाईवे सिक्स लेन निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया 30 अप्रैल तक पूरी करने का लिखित आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सरकार शीघ्र निर्माण प्रक्रिया पूरी करे, अन्यथा संत समाज और भिंड की जनता के साथ मिलकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा।

मृतकों के प्रति जताया शोक, आर्थिक सहायता की मांग:

संत कालीदास महाराज ने तरेनी निवासी शिवकुमार सिंह तोमर एवं उनकी पत्नी की सड़क हादसे में हुई मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सरकार से मांग की कि मृतक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए और घायलों के निशुल्क इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर इंडियन वेटरन ऑर्गनाइजेशन सैनिक संगठन के सूबेदार कपिल शर्मा, राजेश शर्मा, समाजसेवी मनोज देपुरिया, राजेश यादव (गढ़पुरा), गौरव सिंह तोमर, छोटू भदौरिया (खड़ेरीपुरा), मनोज माथुर, भूरे दीक्षित सहित दर्जनों भूतपूर्व सैनिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्म उत्सव पर भक्ति रस में डूबा पंडाल

नवभारत न्यूज
भिंड, 15 मई। लहार क्षेत्र के ग्राम रहावली उवारी में आयोजित दिव्य सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालु भक्तिभाव से सराबोर हो रहे हैं। कथा के दौरान पूज्य कथा वाचक श्री श्री 1008 महंत अयोध्या दास महाराज (महदवा आश्रम) ने भगवान हिरण्यकश्यप वध, बाल चरित्र एवं श्रीकृष्ण जन्म की पावन कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

श्रीकृष्ण जन्म पर जगमगा उठा पंडाल: जैसे ही कथा में भगवान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग आया, पूरा पंडाल रोशनी से जगमगा उठा। श्रद्धालुओं ने 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों के साथ जन्मोत्सव मनाया। माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया और उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए। कथा वाचक महाराज ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की खुशी को और भी आनंदमय बना दिया।

पाप बढ़ने पर भगवान लेते हैं अवतार: भागवताचार्य अयोध्या दास महाराज ने कहा कि जब-जब संसार में पाप और अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान धर्म की स्थापना और भक्तों के कल्याण के लिए अवतार लेते हैं। भगवान के अवतार से भक्तों का कल्याण होता है और धर्म की रक्षा होती है।

फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाकर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

लैपटॉप-प्रिंटर सहित फर्जी दस्तावेज बरामद, 2500 रुपए में बनाकर देते थे फर्जी लाइसेंस, सिटी कोतवाली पुलिस ने की कार्रवाई

नवभारत न्यूज
भिंड, 15 मई। शहर में फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। आरोपियों के कब्जे से फर्जी लाइसेंस तैयार करने में प्रयुक्त लैपटॉप, प्रिंटर, मोबाइल फोन एवं फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस कार्ड बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को एक फरियादी ने थाना सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई कि आरोपियों ने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के नाम पर उससे 2500 रुपए लिए और फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाकर दे दिया। फरियादी ने जब आरटीओ कार्यालय में लाइसेंस की जांच कराई तो दस्तावेज फर्जी निकला। शिकायत के आधार पर थाना सिटी कोतवाली भिंड में अपराध क्रमांक 221/26 के तहत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा आरोपी : मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सूरज कुमार वर्मा, एएसपी संजीव पाठक के मार्गदर्शन एवं सीएसपी निरंजन सिंह राजपूत के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। शुक्रवार को सिटी कोतवाली थाना टीआई मुकेश शाक्य को मुखबिर से सूचना मिली कि मामले का एक आरोपी अन्य फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के उद्देश्य से आरटीओ कार्यालय के पीछे पानी की टंकी के पास खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी प्रमोद यादव पुत्र मुन्ना लाल यादव निवासी मधुबन कॉलोनी इटावा रोड भिंड को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसमें फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस की सॉफ्ट कॉपी मिली। साथ ही कुछ फर्जी लाइसेंस कार्ड भी जब्त किए गए।

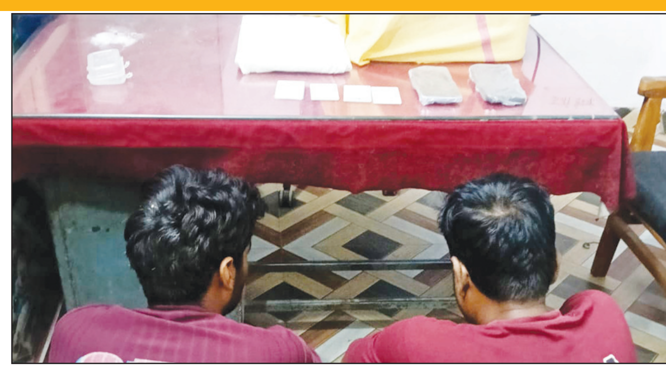

फोटोशॉप से तैयार किए जाते थे हूबहू लाइसेंस

गिरफ्तार आरोपी प्रमोद यादव से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके साथी सुमित उर्फ प्रेमांशु शर्मा पुत्र विमल किशोर शर्मा निवासी पटिया वाली गली जोशी नगर भिंड को कलेक्ट्रेट के सामने टीनशेड के नीचे से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह लैपटॉप में फोटोशॉप सॉफ्टवेयर के जरिए फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस तैयार करता था। उसके कब्जे से एचपी कंपनी का लैपटॉप, प्रिंटर और मोबाइल फोन जब्त किए गए।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों में से एक पूर्व में आरटीओ कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस एजेंट के रूप में कार्य करता था। इसी दौरान उसने प्रक्रिया और दस्तावेजों की जानकारी हासिल की। बाद में अधिक कमाई के लालच में वह लोगों से दस्तावेज और पैसे लेकर फर्जी लाइसेंस तैयार करने लगा। गिरोह का एक सदस्य लोगों से दस्तावेज एकत्र करता था, जबकि दूसरा कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से हूबहू ड्राइविंग लाइसेंस तैयार करता था।

अन्य मामलों में भी हो सकता है खुलासा

पुलिस को जांच में संकेत मिले हैं कि आरोपियों ने अन्य कई लोगों से भी दस्तावेज और रुपए लेकर कूटरचित ड्राइविंग लाइसेंस तैयार किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ के दौरान अन्य मामलों में भी खुलासा होने की संभावना है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एचपी कंपनी का लैपटॉप, एक प्रिंटर, तीन फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस प्लास्टिक कार्ड, चार खाली प्लास्टिक कार्ड, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन जब्त किया है।

बौहरे ने जरूरतमंदों को कराया भोजन

नवभारत न्यूज
भिंड, 15 मई। पत्रकार गिर्राज बौहरे ने शहर की रोटी बैंक संस्था के सहयोग से जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन एवं शरबत वितरण कराया। इस अवसर पर रोटी बैंक संस्था के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों को शीतल शरबत का वितरण भी किया गया, जिससे राहगीरों एवं जरूरतमंदों को राहत मिली। इस दौरान संस्था से जुड़े सदस्यों ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने विशेष अवसरों पर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

रोटी बैंक लगातार कर रही सेवा कार्य: रोटी बैंक संस्था लंबे समय से शहर में जरूरतमंदों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। संस्था के सदस्य नियमित रूप से भोजन वितरण की व्यवस्था संभालते हैं और समाजसेवियों के सहयोग से इस सेवा कार्य को निरंतर जारी रखे हुए हैं। समाज सेवा से जुड़ना अधिक सार्थक इस अवसर पर पत्रकार गिर्राज बौहरे ने कहा कि समाज सेवा से जोड़ना अधिक सार्थक है। इससे जरूरतमंदों की मदद के साथ मन को भी आत्मिक संतुष्टि मिलती है। कार्यक्रम में रोटी बैंक संस्था के सदस्य एवं अन्य सहयोगी मौजूद रहे।

एसडीएम के औचक निरीक्षण में आंगनबाड़ी केंद्रों की खुली पोल, समूहों को नोटिस जारी

नवभारत न्यूज
भिंड, 15 मई। लहार एसडीएम विजय सिंह यादव ने रौन परियोजना अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत सामने ला दी। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिनमें बच्चों की फर्जी उपस्थिति, भोजन वितरण में लापरवाही और रिकॉर्ड संधारण में गड़बड़ी शामिल है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित समूहों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

41 दर्ज बच्चों में मिले केवल 4 उपस्थित: एसडीएम सबसे पहले आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-4 पहुंचे, जहां कुल 41 पंजीकृत बच्चों के विरुद्ध मात्र 4 बच्चे उपस्थित मिले। केंद्र पर जानकारी लेने पर सहायिका सावित्री देवी ने बताया कि समूह द्वारा नियमित रूप से बच्चों को भोजन उपलब्ध नहीं कराया जाता। महीने में केवल 10 से 12 दिन ही चार-पांच बच्चों के हिसाब से नाश्ता दिया जाता है, वह भी गुणवत्ताहीन। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने उपस्थिति पंजी क्रमांक 3 एवं 4 का अवलोकन किया, जिसमें 12 तारीख के बाद बच्चों की उपस्थिति दर्ज नहीं पाई गई।

दूसरे केंद्र में 27 में से सिर्फ 2 बच्चे मिले :

इसके बाद एसडीएम आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-823 पहुंचे, जहां 27 दर्ज बच्चों के विरुद्ध मात्र 2 बच्चे उपस्थित मिले। निरीक्षण के दिन समूह द्वारा बच्चों को पका हुआ भोजन भी उपलब्ध नहीं कराया गया था। जब एसडीएम ने वजन पंजी क्रमांक-11 देखनी चाही तो वह केंद्र पर उपलब्ध नहीं मिली। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए एसडीएम ने केंद्र का रिकॉर्ड जब्त कर प्रभारी परियोजना अधिकारी को सुपुर्द कर दिया।

कार्यकर्ता को नोटिस, 24 घंटे में मांगा जवाब :

केंद्र पर कार्यकर्ता रमणा शर्मा की लापरवाही सामने आने पर एसडीएम ने परियोजना अधिकारी को नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब लेने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार संबंधित कार्यकर्ता पूर्व से भी लापरवाह प्रवृत्ति की बताई जा रही है। एसडीएम ने कहा कि जवाब संतोषजनक न मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 का शुभारंभ

युवाओं को सैन्य व सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए मिलेगा नि :शुल्क आवासीय प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज
भिंड, 15 मई। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के युवाओं को सेना, पुलिस, होमगार्ड, अर्द्धसैनिक बल एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 का जिला स्तरीय शुभारंभ समारोह मंगलवार को शासकीय आईटीआई परिसर भिंड में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख?य अतिथि के रुप में कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा,एसपी सूरज कुमार वर्मा एवं अपर कलेक्टर एलके पांडेय के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चयनित प्रशिक्षणार्थी, विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण केवल परीक्षा पास करने तक सीमित नहीं होना चाहिए:
कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना युवाओं के भविष्य निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल परीक्षा पास करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और आत्मविश्वास निर्माण का माध्यम भी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार छात्रावास का वातावरण अनुशासन, सीखने और सामूहिक विकास का अवसर देता है, उसी प्रकार इस प्रशिक्षण के दौरान भी आप सभी एक-दूसरे से सीखें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। यदि किसी प्रकार की समस्या आए तो प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा।

प्रशिक्षण युवाओं के लिए सफलता की मजबूत नींव साबित होगा :

कार्यक्रम में एसपी सूरज कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रशिक्षण युवाओं के लिए सफलता की मजबूत नींव साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थियों को 45 दिनों तक शैक्षणिक, शारीरिक एवं खेल संबंधी विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की भर्ती परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने युवाओं से अनुशासित जीवनशैली अपनाने और पूरे फोकस के साथ प्रशिक्षण का लाभ लेने का आह्वान किया।

पोते की आत्महत्या के बाद दादी की मौत

शिवपुरी 15 मई। शहर के छोटे लुहारपुरा क्षेत्र में एक परिवार पर दो दिनों में दो मौतें हुई हैं। बुधवार को 12वीं के छात्र आर्यभान सिंह सिसौदिया ने परीक्षा परिणाम के तनाव में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद गुरुवार रात उसकी 75 वर्षीय दादी कमला देवी का भी निधन हो गया। परिजनों के अनुसार, पोते की मौत के बाद कमला देवी सदमे में थीं। इलाज के दौरान उन्हें हार्ट अटैक आया, जिससे उनका निधन हो गया। 18 वर्षीय आर्यभान सिंह सिसौदिया ने इस वर्ष सीबीएसई बोर्ड से 12वीं की परीक्षा दी थी। परिणाम में दो विषयों में पूरक आने के बाद बुधवार शाम उसने अपने घर की तीसरी मंजिल पर बने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

मेहगांव, 15 मई। संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार व भिंड कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा एवं पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा एवं जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी भिंड के मार्गदर्शन में विकास खंड मेहगांव मुख्यालय पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह का आयोजन दिनांक 5 मई से 5 जून 2026 प्रशिक्षण शिविर चलाया एवं प्रशिक्षणार्थियों प्रशिक्षण दिया जाएगा खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित खेल शिविर में कबड्डी एवं वॉलीबॉल खेलों के साथ साथ योग व्यायाम कर खिलाड़ियों को फिट रहने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है इसमें खिलाड़ी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शासकीय सांदीपनि उमावि मेहंगाव में किया जा रहा है साथ ही खिलाड़ियों के बीच पहुंचे एसडीओपी मेहगांव संजय कोच्छा ने खिलाड़ियों से परिचय कर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया साथ ही मोबाइल से कुछ देर दूरी बनाकर अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग व्यायाम खेल प्रतिदिन करने के लिए प्रोत्साहित किया खिलाड़ियों को स्वल्पाहार में केले वितरित कराए गए मेहगांव ब्लॉक युवा समन्वयक श्रीमती नीतू सोनी द्वारा नए खिलाड़ियों को लिंक के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करने के लिए प्रोत्साहित किया किया गया नीतू सोनी ने बताया कि नए खिलाड़ी पंजीयन हेतु निम्न लिंक पर जाकर अपना पंजीयन कर सकते हैं।

विश्व परिवार दिवस पर खेल गतिविधियों का दिया संदेश

भिंड, 15 मई। मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्था एवं आनंद विभाग के तत्वावधान में कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा के निर्देशानुसार खेल एवं युवा कल्याण विभाग, आनंद विभाग भिंड तथा योग आनंद क्लब भिंड के संयुक्त तत्वावधान में विश्व परिवार दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान परिवारों के साथ विभिन्न शारीरिक एवं मनोरंजक खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अजीम खान ने आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए नियमित शारीरिक गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने बच्चों एवं उनके अभिभावकों को फिटनेस के प्रति जागरूक किया और प्रेरित करते हुए कहा कि खेल गतिविधियां केवल एक दिन तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना जरूरी है।

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति क्षेत्र क्र13 वार्ड क्रं57,स्थान 193, कटोराताल के सामने ग्वा0 मे स्थित है जो कि श्रीमंत माधवराव सिंधिया जी के नाम से नगर निगम मे आई डी क्रं 1002732779 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 1.13997604 हेक्टेयर है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड खसरा क्रं 328/3/2/2,329, 330, 331,332/1, 332/2 मिन राजस्व अभिलेख रिकॉर्ड में दर्ज नाम के पर प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र मोतीमहल क्षे.क्र 13, पर दिनांक 14.05.2026 को किया गया है। जिसका आवेदन कार्य क्रं 78/2011/32550/32457 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-
पदमाराजे ट्रस्ट (सचिव)
पता-कटोरा ताल के सामने ग्वा0(म.प्र.)
विज्ञप्ति जारी दिनांक-15.05.2026